राग - देशकार

आरोह - सा रे ग प ध सां

अवरोह - सां ध प ग रे सा

पकड़ - ग प ध प, ग प ध ऽ ऽ सां

थाट - बिलावल

जाति - औडव

गायन समय - दिन का दूसरा प्रहर

वादी - ध

संवादी - ग

स्थाई

तुम पर वारी कृष्ण मुरारी ।
इतनी हमारी सुनो बनवारी ॥

अन्तरा

लेकर नीर कदम पर बैठी ।
हम जाल मोंझ उधारी ॥

स्थाई

सां
दु

ध सां - सां	प - प ग	ग प ध प	ग रे सा रे
म पा ऽ र	वा ऽ री ऽ	के ऽ ण मु	रा ऽ री ऽं
०	3	x	2
सा ध़ ध़ सा	सा - सा प	ग प ध प	ग रे सा सा
त नी ऽ ह	मा ऽ री दु	जो ऽ ब न	वा ऽ री दु
०	3	x	2

अंतरा

ग
ले

प सां - ध	सां - सां सां	ध ध सां रें	सां ध प गं
ऽ क ऽ र	ची ऽ र क	य म प र	बै ऽ ठी ह
०	3	x	2
रे सां - रें	सां - ध प	पध सांसां पध सांसां	धप गरे सा सा
म ऽ जा ल	मों ऽ ध्री क	धाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	धीऽ ऽऽ ऽ दु
०	3	x	2

Scanned with CamScanner